

जोगवा गर्जत है

जोगवा गर्जत है, अंबाका एकवीरा नाम रेणुकाका
हम सब अब गाते हैं, श्रीजगका - कुलकी माताजी का ।
॥ ६ ॥

⇒ कलियुग काल मे - मानवका जडजीव उद्धर भरीता
मंगलमये गाते, अंबाका नामही गर्जत बाका
॥ १ ॥

⇒ शक्तिपीठ माँ, तूम्हारे भक्तनके सहारे साठही स्थानों में
वसंत रहे नंदनंदीनीगावे - भक्ती हृदयभरी, भजत
रहे शांती सुमन मन मोहे ॥ २ ॥

⇒ रुपही नवदुर्गा, श्री अंबा प्रगटत है एकवीरा
अष्टादश भुजा भुजा
खड्गधरी, चंडमुंड असुरारी दुष्टही दानव का
संहारकरी शुभ निशुभतामारी
॥ ३ ॥

Date _____
Page _____
⇒ मार्कण्डेय मुनी, भावधारी त्रीजग दुख तु निवारी करमे
चक्रधारी

शिवगौरी परशुरामा जननी, माहुरगाडवासी
रेठुका नाचत जोगवा गात

॥४॥

⇒ माता महाकाली, कोल्हापुरी लक्ष्मीरूप
अवतारी मुंबावासकरी

त्रीपूरारी चौरसष्ट योगीनी गावे ठाणा
बसाया, अमरपुरी अंबानामे गजरी

॥५॥

⇒ कलीयूग पापबढे, भक्तोंके अगणित अपराध
होवे, दुखही भोगत हैं

अतीभारी कलमील मीठा तू सारी दोकर
ओडत हूँ, मेरी माये भक्तन की बलहारी

॥६॥